TheHitavada
JABALPUR ■ Sunday ■ December 22 ■ 2019

6-day training session on 'Value Addition- Bamboo Technologies' ends at TFRI

Guests, officers and participants during photo session after the training programme at TFRI.

■ **Staff Reporter**

SIX-DAY training on 'Value Addition- Bamboo Technologies' Under BTSC-ICFRE funded by National Bamboo Mission, New Delhi concluded at Tropical Forest Research Institute (TFRI), Jabalpur.

During the valedictory session of the training programme, Chaturbhuj Behra (IFS), Head of Office, TFRI appreciated and expressed his gratitude towards zeal and hard work of the participants. Chief Guest of the programme Dr Sanjay Kumar Shukla (APCCF), Director MP State Bamboo Mission Bhopal, encouraged the participants to take advantage of subsidies provided by various agencies like MP State Bamboo Mission. He assured the participants to provide assistance and guidance for cultivation of bamboo, entrepreneurship for bamboo products. Dr Fatima Shirin, Scientist and Training coordinator presented glimpses of the training and briefed about the events of the training program. She elaborated about the field visit conducted during training programme. Participants included artisans, students farmers. The trainees expressed their intention to apply the knowledge of training and working in bamboo industry in the future. They appreciated the experience gained from the training. The valedictory function concluded by distribution of certificates and mementos to the participants. It was compered by Dr Naseer Mohammad and vote of thanks was extended by Dr Pramod Kumar. Dr Geeta Joshi, Dr Arun Kumar, Dr Pawan Rana, Rajkumar and all the scientists and officials of the institute were present during the programme.

टीएफआरआई में बांस मूल्य संवर्धन पर प्रशिक्षण

बांस से बन रही है ज्वेलरी और फर्नीचर

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जबलपुर ● उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान (टीएफआरआई)में बांस मूल्य संवर्धन पर शुक्रवार को छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। मध्य प्रदेश राज्य बांस मिशन के निदेशक डॉ. संजय शुक्ला ने प्रतिभागियों को राज्य बांस मिशन आदि जैसी विभिन्न एजेंसियों की ओर से प्रदान की जाने वाली सब्सिडी का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने बांस की खेती और बांस के विभिन्न उत्पाद के लिए मशीनरी के लिए सहायता एवं मार्गदर्शन प्रदान करने का आश्वासन दिया।

वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. फातिमा शिरीन ने प्रशिक्षण की झलकियां प्रस्तुत कर कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान सिखाए गए विभिन्न उत्पाद जैसे ज्वेलरी, फ र्नीचर, अगरबत्ती स्टिक आदि एवं बांस नर्सरी के दौरे के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में संस्थान के कार्यालय प्रमुख चतुर्भुज बेहरा ने प्रतिभागियों के उत्साह और कड़ी मेहनत से कार्य करने की प्रेरणा दी। प्रशिणार्थियों में संदीप, मेघा एवं अन्य ने प्रशिक्षण कार्यक्रम निरंतर चलाने का सुझाव दिया। समापन कार्यक्रम का संचालन डॉ. नसीर मोहम्मद ने किया। इस मौके पर डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. गीता जोशी, डॉ. अरुण कुमार, डॉ. पवन राणा, राजकुमार एवं संस्थान के सभी वैज्ञानिक व अधिकारी उपस्थित थे।